भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्

वानिकी समाचार

वर्ष 12 अंक 01 जनवरी 2020

अनुक्रमणिका

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष 01
परामर्शी 02
आकाशवाणी के माध्यम से वानिकी को लोकप्रिय बनाना 02
वृक्ष उत्पादक मेला/किसान मेला 03
कार्यशाला/संगोष्ठी/बैठकें 03
प्रशिक्षण 04
प्रकृति कार्यक्रम 06
जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम 07
वन विज्ञान केन्द्रों के अंतर्गत क्रियाकलाप 07
विविध 07
मानव संसाधन समाचार 07

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- परियोजना ''उत्तराखण्ड तथा हरियाणा से लार्वल परजीव्याभ, *एपेनटेलस* प्रजा. (हाइमेनोपटेरा : ब्राकोनिडी) की वर्गिकी तथा मेजबान रेंज पर अध्ययन'' के अंतर्गत दौरा किया गया तथा कीटों के 25 स्वीपिंग नमूने एकत्रित किए गए। विभिन्न वानिकी वृक्षों : *टैक्टोना ग्रैण्डिस, डैलबर्जिया सिस्सु, निओलैमारकिआ कदम्बा* तथा *कैसिया फिस्टुला* से लार्वा/कोकुन : *यूटेक्टोना मैचिरेलिस* तथा कुछ अभिज्ञ लार्वा के उनतीस नमूने उनके प्रयोगशाला पालन के लिए एकत्रित किए गए जिसे *एपेनटेलस* प्रजा. के उद्भव हेतु जारी रखा गया। *एपेनटेलस* की पाँच प्रजातियों : *ए. रूईडस, ए. हिब्लिए, ए. कैलिसिनि, ए. प्रोडेनिएई* तथा *ए. फायटोमेट्रिएइ* का प्रजाति स्तर तक अभिज्ञान किया गया। *एपेनटेलस* प्रजा. का छायाचित्रण तथा प्रजाति अभिज्ञान प्रगति में है।
- परियोजना ''उत्तर भारत (हरियाणा, उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखण्ड) से हाइमेनोपटेरन अण्ड परजीव्याभों की विविधता तथा मेजबान रेंज पर अध्ययन'' के अंतर्गत एकत्रित स्वीपिंग नमूनों को पृथक्कृत किया गया तथा पच्चीस अण्ड परजीव्याभों (कुल : इनसायरटिडी, मायमैरिडी, यूलोफिडी तथा ट्राइकोग्रामैटिडी) की जाँच की गई। स्वीपिंग नमूनों : *एफिलिओनिडि ग्वालिओरेन्सिस, एफिलिओनिडि रूद्रापुरेन्सिस, इलास्मस पुनेन्नसिस, लेथोमेरोमिआ डाइमोरफा, मिरूफेन्स एफ्रानजिएटा, ओलिगोसिटा फिरोजपुरेन्सिस, ओलिगोसिटा गिलुवस, पैरासैण्ट्रोबिया मैग्निक्लावाटा, स्यूडोलिगोसिटा सिन्गुलेरिस* तथा *टुमइडिक्लावा लॉंगिक्लावाटा* से दस अण्ड परजीव्याभों को प्रजाति स्तर तक चिह्नित किया गया। छायाचित्रण तथा स्लाइड निर्माण प्रगति में है।
- परियोजना ''उत्तराखण्ड में विभिन्न वन प्रकारों/उप–प्रकारों से संबद्ध तितलियां'' के अंतर्गत विगत माह के दौरान नमूने लिए गए 95 प्रजातियों के लिए विभिन्न वन उप–प्रकारों से संबद्ध तितलियों के आंकड़ा–संचय को उनके अभिज्ञान के साथ–साथ अद्यतनीकृत किया गया। उत्तराखण्ड में पेपिलिओनिडी कुल की प्रत्येक प्रजाति के लिए भौगोलिक सूचना प्रणाली आधारित मानचित्र सृजित करने के लिए तितलियों के विगत आंकड़ों का पृथक्करण किया गया।
- परियोजना ''पश्चिमी हिमालय के ओक के नाशी कीट तथा उनका नियंत्रण'' के अंतर्गत पश्चिम हिमालय ओक को ग्रसित करते कीटों

के आंकड़ा–संचय को कोलियोप्टेरा की अब तक अभिलिखित की गई सभी 91 प्रजातियों हेतु सूचना और नये छायाचित्रो को जोडते, अद्यतन करते अद्यतनीकृत किया गया। प्रयोगशाला में, देववन आरक्षित वन, चकराता से विगत में लाए गए खारसु ओक, *क्वर्कश सेमिकार्पिफोलिया* के कुन्दों पर सिरामबिसिड वेधक *जायलोट्रेकस बेसिफ्यूलीजिनोसिस* के सतृतीय तथा चतुर्थ इन्सटार लार्वा तथा देवली ग्राम, थानो रेंज, जिला देहरादून से लाए गए बन ओक, *क्यू. ल्यूकोट्राइकोफोरा* कुन्दों पर सिरामबिसिड वेधक *एफ्रोडिसियम हार्डविकिएनम* के जीवविज्ञान पर प्रयोग जारी हैं।

- परियोजना ''वन अनुसंधान संस्थान के राष्ट्रीय वन कीट संग्रह (NFIC) का डिजीटलीकरण तथा संवृद्धि, चरण – II (सूक्ष्म कीट) के अंतर्गत 112 प्रकारों को 631 छायाचित्रों के साथ डिजीटलीकृत किया गया। 100 प्रजातियों के लगभग 600 छायाचित्रों को संपादित किया गया तथा उन्हें Tiff, Jpeg तथा compressed प्रारूपों में भण्डारित किया गया। दराजों में नामों का सत्यापन पूर्ण किया गया। आंकड़ा–संचय अभिलेखों में सत्यापन रिपोर्ट पर आधारित शोधन प्रारम्भ किए गए तथा दराज 1 में अभिलेखों को अद्यतनीकृत किया गया।
- परियोजना ''पॉपलर पर्ण निष्पत्रक, *क्लोसटेरा क्यूप्रेटा* बट के विरूद्ध पॉपलर कृन्तकों की जाँच'' के अंतर्गत ग्राफ पेपर गणना विधि द्वारा पॉपलर के 33 विभिन्न कृन्तकों में कीट द्वारा पर्ण क्षेत्र भक्षण का मापन किया गया। 23 विभिन्न पॉपलर कृन्तकां का पर्ण नमूना निष्कर्षण किया गया। पॉपलर के 15 विभिन्न कृन्तकों में कुल फिनोलिक मात्रा का निर्धारण किया गया।
- परियोजना ''कुछ चयनित परजीव्याभों की जैव–प्रभावकारिता पर विशेष महत्व के साथ उत्तर भारत के टैरोमैलिड परजीव्याभों (हाइमेनोप्टेरा : टेरोमैलिड) का विविधता अध्ययन'' के अंतर्गत स्वीपिंग नेट के माध्यम से वन अनुसंधान संस्थान परिसर में कुछ अज्ञात टैरोमैलिड बर्रों का क्षेत्र अवलोकन तथा एकत्रण किया गया। देहरादून से टैरोमैलिड्स के बीस नमूने एकत्रित किए गए। ओक के अर्बुद पर्णों का एकत्रण तथा प्रयोगशाला में मादा टैरोमैलिड बर्रों (अज्ञात) द्वारा उनका एकत्रण किया गया। परजीव्याभ तथा कीट ग्रसित नमूनों के एकत्रण के लिए टिहरी जिले का एक दौरा किया गया। ग्रसित लार्वा/तनों/पश्च पादप नमूनों का पालन–पोषण किया गया। इस माह में कुल 12 प्रजातियों के नमूने एकत्रित किए गए।
- परियोजना ''उत्तराखण्ड तथा उत्तर प्रदेश में क्षरित भूमियों पर *मेलिना आर्बोरिया* तथा *ऐम्बिलिका ऑफिसिनेलिस* आधारित कृषि–वानिकी मॉडलों का विकास'' के अंतर्गत सभी स्थलों से खरीफ की फसल के उपज आंकड़ें संकलित किए गए। धालुवाला मजबाटा (हरिद्वार), फतेहपुर पेलियो (सहारनपुर) तथा कोदापुर (प्रयागराज) में द्वितीय वर्ष के मृदा विश्लेषण आंकड़े सारणीबद्ध तथा संकलित किए गए। सभी स्थलों पर उपलब्ध फॉस्फोरस मध्यम स्तर में पाया गया। फतेहपुर पेलियो तथा कोदापुर के स्थलों की तुलना धालुवाला में उपलब्ध नाइट्रोजन तथा पोटैशियम निम्न स्तर पर पाए गए। प्रयागराज जिलें में *जी. आर्बोरिया* तथा *ई. ऑफिसिनेलिस* का एक अन्य स्थल पर रोपण भी पूर्ण किया जा चुका है। उपर्युक्त स्थलों पर *जी. आर्बोरिया* तथा *ई. ऑफिसिनेलिस* की रोपणियों का अनुरक्षण तथा अनुश्रवण प्रगति में है।
- परियोजना ''उत्तराखण्ड में वर्षा पोषित परिस्थितियों में कृषकों की भूमियों पर कचनार (*बौहिनिया वेरीएगाटा*), भीमल (*ग्रीविया ऑप्टिवा*) तथा कदंब (*एन्थोसेफेलस कदंबा*) आधारित कृषि–वानिकी मॉडलों का विकास'' के अंतर्गत मृदा नमूनों का विश्लेषण पूर्ण किया गया। दोनों स्थलों पर भीमल तथा कचनार की तुलना में कदंब उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। उपर्युक्त दोनों स्थलों पर कचनार, भीमल तथा कदंब की रोपणियों का अनुरक्षण तथा अनुश्रवण किया गया।
- परियोजना ''उत्तराखण्ड में *ग्रीविया ऑप्टिवा* (भीमल) के संवहनीय उपयोजन से आजीविका सुधार'' के अंतर्गत क्षेत्र से सेपानिन निर्धारण की प्रक्रिया के अंतर्गत *ग्रीविया ऑप्टिवा* के नमूने एकत्रित किए गए। *ग्रीविया ऑप्टिवा* से रेशा निष्कर्षण की पर्यावरण–हितैषी विधि के विकास के अंतर्गत कवक यथा *ऐसपरजिल्लस नाइजर* का बहुगुणन प्रगति में है। विभिन्न प्रशोधनों में चारे की मात्रा के बारे में एकत्रित आंकड़ें विश्लेषण की प्रक्रिया के अधीन हैं।
- ग्लूटेरएलडिहाइड के उपयोग से ग्वार गम की क्रॉसलिंकिग की गई।
- पाईन की सूचिकाओं से सुलभ तथा सस्ती विधियों के उपयोग से रेशा निष्कर्षित किया गया।

परामर्शी

- टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कार्पोरेशन इंडिया लि.; हिमाचल प्रदेश पावर कार्पोरेशन लि.; कर्नाटक स्टेट ऑफिशियल एथोरिटी; प.व.ज.प.मं., भारत सरकार, नई दिल्ली; कोल इंडिया लिमिटेड, कोलकाता; एन.टी.पी.सी. लि., नोएडा; एन.एम.डी.सी.लि., हैदराबाद; सिंगरेनी कोल्लिएरिज कम्पनी लि., कोठागुडेम; छत्तीसगढ़ वन विभाग, रायपुर, वन एवं पर्यावरण विभाग, भुवनेश्वर तथा एस.ई.सी.एल.; मध्य प्रदेश की खैराहा यू.जी. कोल माइन द्वारा प्रदत्त ग्यारह परामर्शी परियोजनाओं पर भा.वा.अ.शि.प. वर्तमान में कार्य कर रहा है।

आकाशवाणी के माध्यम से वानिकी को लोकप्रिय बनाना

कार्यक्रम का विषय	चैनल	तिथि
उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर		
उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर द्वारा निष्पादित विभिन्न क्रियाकलापों पर अंतर–संवादात्मक वार्ता	आकाशवाणी जबलपुर	13 जनवरी 2020

वृक्ष उत्पादक मेला/किसान मेला

संस्थान	प्रतिभाग	समयावधि	स्थान
का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरू	107वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस – प्राइड ऑफ इण्डिया एक्सपो	3 से 7 जनवरी 2020	गाँधी कृषि विज्ञान केन्द्र परिसर, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बेंगलुरू
शु.व.अ.सं., जोधपुर	राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प मेला	3 से 12 जनवरी 2020	रावण का चबूतरा, जोधपुर
व.अ.के.–आ.वि., अगरतला	30वां त्रिपुरा उद्योग तथा वाणिज्य मेला 2020	29 जनवरी 2020	अगरतला

107वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस – प्राइड ऑफ इण्डिया एक्सपो

कार्यशाला/संगोष्ठी/बैठकें

क्र. सं.	विषय	समयावधि	लाभार्थी
	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
1.	हितधारकों तक वानिकी अनुसंधान का प्रसार	29 जनवरी 2020	वैज्ञानिक, अधिकारी, बैंकर तथा गैर सरकारी संगठन

हितधारकों तक वानिकी अनुसंधान के प्रसार पर संगोष्ठी

	शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर		
2.	लूनी द्रोणी का प्राथमिकता क्षेत्र तथा कृषि भूमियों को सम्मिलित कर अन्य प्रस्तावों का समावेशन	9 जनवरी 2020	वैज्ञानिक तथा वन कार्मिक
3.	वृक्ष प्रजातियों का वृहद प्रवर्धन तथा वृक्ष संवर्धन में इसका उपयोजन	29 जनवरी 2020	वैज्ञानिक, वन अधिकारी, तकनीकी कर्मचारी तथ अनुसंधान अध्येता/कनिष्ठ परियोजना अध्येता
	हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला		
4.	शंकु वृक्षों के स्वस्थ एवं लम्बे रोपण स्टॉक को उगाने के लिए पौधशाला में एक्टोमाइकोराइजल कवक का कृत्रिम संरोपण	31 जनवरी 2020	समूह समन्वयक, विभागाध्यक्ष, अनुसंधान अध्येता तथा कर्मचारी

प्रशिक्षण

क्र. सं.	विषय	समयावधि	लाभार्थी
	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
1.	भारतीय परिदृश्य में वन प्रमाणीकरण	16 और 17 जनवरी 2020	भा.व.से. अधिकारी

भारतीय परिदृश्य में वन प्रमाणीकरण पर प्रशिक्षण

	वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर		
2.	वन कार्मिकों को वानिकी अनुसंधान तथा वृक्ष सुधार में नवीन उन्नतियों पर प्रशिक्षण – उत्तर प्रदेश वन विभाग की अनुसंधान शाखा	2 से 24 जनवरी 2020	उत्तर प्रदेश वन विभाग के रेंज अधिकारी, डिप्टी रेंज अधिकारी तथा वनपाल

3.	अभिगम तथा हित साझेदारी (संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा वित्तपोषित)	28 और 29 जनवरी 2020	भा.वा.अ.शि.प. के वैज्ञानिक
4.	तमिलनाडु में सागौन कृषि पद्धतियां	30 और 31 जनवरी 2020	तमिलनाडु वन विभाग के वन रेंज अधिकारी

काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू

5.	काष्ठ उत्पादन तथा उपयोजन में उन्नतियां	6 से 10 जनवरी 2020	भा.व.से. अधिकारी
6.	बाँस पौधशाला तथा विकास	20 से 25 जनवरी 2020	कर्नाटक, तेलंगाना तथा आंध्र प्रदेश से कृषक
7.	मूल्य वर्धन – बाँस प्रौद्योगिकियां	27 जनवरी से 1 फरवरी 2020	कर्नाटक, तेलंगाना तथा आंध्र प्रदेश से बाँस हस्तशिल्पी तथा निपुण शिल्पी (मास्टर क्राफ्ट्समैन)

काष्ठ उत्पादन तथा उपयोजन में उन्नतियों पर प्रशिक्षण

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

8.	वनीकरण के माध्यम से कार्बन पृथक्करण	20 से 24 जनवरी 2020	भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (SAIL) के अधिकारी

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

9.	बाँस पौधशाला तथा प्रबंधन	20 से 25 जनवरी 2020	असम के विभिन्न स्थानों के कृषक

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

10.	पौधशाला तकनीक तथा रोपणी तकनीकियां	23 जनवरी 2020	राजस्थान वन विभाग के वन प्रशिक्षण केन्द्र, जोधपुर से वन रक्षक

वन उत्पादकता संस्थान, राँची			
11.	महानदी नदी के डी.पी.आर. निर्माण के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र के आंकड़ों का एकत्रण	5 से 31 जनवरी 2020	राज्य वन विभाग, गैर सरकारी संगठन, कृषि अधिकारी, हितधारक तथा पंचायत सदस्य
12.	बाँस संसाधन विकास तथा मूल्य वर्धन	15 से 16 जनवरी 2020	गैर सरकारी संगठनों के कार्मिक, संयुक्त वन प्रबंधन समिति कि सदस्य, शैक्षिक संस्थानों के छात्र, पंचायत तथा मीडिया कर्मी

बाँस संसाधन विकास तथा मूल्य वर्धन पर प्रशिक्षण

प्रकृति कार्यक्रम

- ''प्रकृति'' कार्यक्रम के अंतर्गत, केन्द्रीय विद्यालय, रूड़की (उत्तराखण्ड) के 60 छात्रों ने अपने शिक्षकों के नेतृत्व में दिनांक 23 जनवरी 2020 को वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून का दौरा किया।
- ''प्रकृति'' कार्यक्रम के अंतर्गत, बी.जी.एस. वर्ल्ड स्कूल, बेंगलुरू के कक्षा VI तथा VII के 158 छात्रों ने दिनांक 16 जनवरी 2020 को तथा कक्षा V के 127 छात्रों ने दिनांक 17 जनवरी 2020 को काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू का दौरा किया।
- ''प्रकृति'' कार्यक्रम के अंतर्गत, सेण्ट मैरी पब्लिक स्कूल, बेंगलुरू के ईको–क्लब से संबद्ध कक्षा V-VII के 52 छात्रों ने दिनांक 28 जनवरी 2020 को काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू का दौरा किया।
- ''प्रकृति'' कार्यक्रम के अंतर्गत, उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर ने दिनांक 19 जनवरी 2020 को केन्द्रीय विद्यालय, अंबिकापुर, छत्तीसगढ़ के कक्षा ग्यारहवीं के 50 छात्रों तथा 3 शिक्षकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। छात्रों को जलवायु परिवर्तन में वनीकरण की भूमिका तथा काष्ठ के महत्व के विषय में अद्यतनीकृत किया गया।
- ''प्रकृति'' कार्यक्रम के अंतर्गत, उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर ने दिनांक 24 जनवरी 2020 को केन्द्रीय विद्यालय, उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में कार्यक्रम आयोजित किया, जहाँ पर कक्षा 8वीं तथा 9वीं के छात्रों के लिए ''पर्यावरण क्लब'' बनाया गया है। छात्रों को जैवविविधता संरक्षण, औषधीय पादपों की संवहनीय कृषि के विषय में अवगत कराया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को औषधीय पादपों की विभिन्न कृषि तकनीकियां प्रदर्शित की गई।
- ''प्रकृति'' कार्यक्रम के अंतर्गत, वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट ने केन्द्रीय विद्यालय, नगाँव में ''उत्तर पूर्व भारत में राष्ट्रीय उद्यानों, वन्यजीव अभयारण्यों तथा जैव आरक्षित क्षेत्रों के माध्यम से जैवविविधता संरक्षण'' विषय पर दिनांक 29 जनवरी 2020 को कार्यक्रम आयोजित किया।

केन्द्रीय विद्यालय, उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर के छात्र

जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम

- वन अनुसंधान केन्द्र – आजीविका विस्तार ने "आर्किड कृषि तथा संरक्षण" विषय पर दिनांक 24 तथा 25 जनवरी 2020 को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

वन विज्ञान केन्द्रों के अंतर्गत क्रियाकलाप

- वन विज्ञान केन्द्र छत्तीसगढ़ के अंतर्गत, उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर ने अंबिकापुर, सरगुजा में दिनांक 16 तथा 17 जनवरी 2020 को उन्नत नर्सरी तकनीक, वृक्ष सुधार, कृषि वानिकी तथा वन रोपणियों एवं वृक्षारोपणों के कीटों तथा रोगों का समन्वित प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में महाराष्ट्र राज्य वन विभाग के 180 अग्रपंक्ति कर्मचारियों, कृषकों तथा गैर सरकारी संगठनों ने प्रतिभाग किया।
- वन विज्ञान केन्द्र के अंतर्गत, वन उत्पादकता संस्थान, राँची ने दिनांक 7 जनवरी 2020 को वानिकी अनुसंधान एवं विस्तार केन्द्र, हाजीपुर में "पौधशाला तकनीक, औषधीय पादपों की कृषि तथा प्रबंधन" पर प्रशिक्षण आयोजित किया। कार्यक्रम में राज्य वन विभाग, बिहार के 26 कृषकों तथा कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।
- वन विज्ञान केन्द्र के अंतर्गत, वन उत्पादकता संस्थान, राँची ने दिनांक 8 जनवरी 2020 को वानिकी अनुसंधान एवं विस्तार केन्द्र, हाजीपुर में "बाँस कृषि, मूल्य वर्धन तथा प्रशिक्षण" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में राज्य वन विभाग, बिहार के 18 कृषकों तथा कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।
- वन विज्ञान केन्द्र के अंतर्गत, वन उत्पादकता संस्थान, राँची ने दिनांक 9 जनवरी 2020 को वानिकी अनुसंधान एवं विस्तार केन्द्र, हाजीपुर में "कृषि–वानिकी के माध्यम से आजीविका सृजन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में राज्य वन विभाग, बिहार के 16 कृषकों तथा कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

वन विज्ञान केन्द्र छत्तीसगढ़ के अंतर्गत अंबिकापुर, सरगुजा में प्रशिक्षण कार्यक्रम

वन विज्ञान केन्द्र के अंतर्गत "बाँस कृषि, मूल्य वर्धन तथा प्रशिक्षण" पर वानिकी अनुसंधान एवं विस्तार केन्द्र, हाजीपुर में प्रशिक्षण

विविध

संस्थान	विशेष दिन	समयावधि
वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर	शहीद दिवस	30 जनवरी 2020

मानव संसाधन समाचार

नियुक्ति

अधिकारी का नाम	तिथि
श्री जे. श्रीराम, भा.व.से., उप–वन संरक्षक, वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर	08.01.2020

संरक्षकः
डॉ. सुरेश गैरोला, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून

संपादक मंडलः
श्रीमती कंचन देवी, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्षा
डॉ. (श्रीमती) शामिला कालिया, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक
श्री रमाकान्त मिश्र, मुख्य तकनीकी अधिकारी, (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग), सदस्य

प्रत्याख्यान
- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में, प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती है।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।